BA part III (H)

Paper III

Dr. Chiranjeev Kr Thakur
Assistant Professor (GT)
Department of Sociology
VSJ College Raj Nagar

Lecture I

भारत में जनजाति ⇒ जनजातियों का समुदाय भारत में एक विशिष्ट स्थान रखता है। सन् 2001 की जनगणना के अनुसार भारत की जनसंख्या में जनजातियों की जनसंख्या 8.43 करोड़ से अधिक है। जनजातियों को समझने के लिए इसके अर्थ एवं परिभाषाओं को समझना होगा। जनजाति क्या है पहले इसे समझना होगा। साधारणतया जनजाति का अर्थ एक ऐसे मानव समूह से समझा लिया जाता है जिसकी संस्कृति और रीति रिवाज आदिम विशेषताओं से युक्त हो। इन मानव समूह को अक्सर 'आदिम जाति' अथवा वन्य जाति के नाम से सम्बोधित किया जाता है। वास्तव

में जनजातियों के समूह को उतना असभ्य या आदिम मान लिया जाता है जबकि ऐसा नहीं है। अतः स्पष्ट रूप से कह सकते हैं कि जनजाति एक ऐसा क्षेत्रीय समूह है जिसके सदस्य एक विशेष संस्कृति, भाषा, धर्म तथा जीवन स्तर को प्रदर्शित करते हैं तथा सामाजिक एवं राजनीतिक आधार पर एक आत्म निर्भर जीवन व्यतीत करते हैं।